

Sharing the Challenge of Disabilities

According to WHO, 'Disabilities' is an umbrella term, covering impairments, activity limitations and participation restrictions. This is a complex phenomenon, reflecting an interaction between features of a person's body and features of the society in which he or she lives. The number of PWDs in India is a wide range of 4 - 8 percent of the population with higher ratio in rural areas. Our disability policy framework includes ratification of CRPD, legal support to PWDs for their empowerment and encourages participation of voluntary sector for their rights advocacy and CBR. Now the very concept of medical rehabilitation for PWDs has been replaced by an emphasis on their social rehabilitation. CBR is proved effective for rural areas in addressing the primary care and therapeutic needs of these people. CBR matrix by WHO begins with human rights and goes through socio-economic development to reach a cohesive society by interlinking health, education, livelihood, socialization and empowerment for PWDs with each other. The very aspect of personal relationship like marriage and family plays significant role for making PWDs emotionally competent and helps them to live with dignity. But there is a lot to be done in Jharkhand or Bihar where entitlements and CBR for PWDs are neglected due to systemic and social apathy. These states have less than 20-30% PWDs with disability certificate as figured nationally and there are cases when such certificates have been misused, questioned or reviewed to block the entitlements for genuine beneficiaries. This needs a massive overhaul of the system to work in compliance to the Convention on the Rights of Persons with Disabilities by UNO.

NBJK's intervention upon disability was started as a Facilitation Action Center for PWDs in the year 2000 for promotion of CBR and capacity building of selected small VOs. CBR for PWDs was continued in Murhu (Khunti) and Sadar (Hazaribag) blocks. During 2004-05, we have expanded our work in 10 blocks of Ranchi and Hazaribag with activities like their certification, school enrollment for CWDs, Self help group formation, IGA linkage and launched an awareness campaign as Viklang Vikas Abhiyan with VOs across Jharkhand. We run **Spandan (2005-08)** as a special school for 165 CP/MR children in Hazaribag to provide them free services with transportation facility. Till 2009, NBJK has ensured school enrollment for 1087 CWDs, certification for 5838 PWDs, promoted 224 SHGs and 889 challenged individuals for IGAs, linked 2105 PWDs with ADL, Braille/sign language, physiotherapy, corrective or cataract surgery, aids & appliances, pension, railway pass etc. During July'09-June'13, we launched a right based program in 5 districts of Jharkhand and Bihar. This was carried out in 2118 villages, enabled 29860 PWDs to get disability certificates and resulted as access to one or more benefits, especially monthly pension for nearly 17000 such people. From 2010, NBJK has initiated CBR activities in 4 blocks of Dumka district and linked more than 6000 PWDs with services/entitlements. All these could be possible by support from CAPART, Action Aid, PHF (UK), SKN (the Netherlands), THF, Volkart Foundation, AVI-DFID (UK), CBM-AusAid, Sightsavers, while VAANI and Sense have supported services for 233 deafblind & HI children in Hazaribag and Ranchi. From May'15, AVI-BLF (UK) has extended support to the right mode program covering 500 new villages in Hazaribag, Koderma, Giridih, Nawada and Gaya districts of Jharkhand and Bihar for next 3 years.

This is pathetic to experience the struggle of PWDs for their certification and minimum benefits while the time has come to raise voice for their education, employment and social dignity as mere pension, tricycle or crutches are not sufficient for them. For nation building, we are in need of a paradigm shift in terms of poverty eradication and quality lives for challenged people by ensuring space for them in all developmental programs and welfare schemes of education, livelihood, health or social security.



निःशक्तता : एक साझी चुनौती

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार निःशक्तता एक छतरीनुमा शब्द है, जो शारीरिक-मानसिक क्षति, गतिविधियों की सीमा और सहभागिता पर प्रतिबंध जैसी स्थितियों को समेटे हुए है। यह एक जटिल तथ्य है, जो व्यक्ति के शारीरिक लक्षणों और उसके समाज की विशेषताओं के मध्य अन्तःक्रिया को प्रतिबिम्बित करता है। भारत में निःशक्तों की संख्या कुल आबादी की 4-8 फीसदी है और ग्रामीण क्षेत्रों में इनका अनुपात अधिक है। हमारी निःशक्तता नीति में संयुक्त राष्ट्र के निःशक्त अधिकारिता सम्मेलन का समर्थन, निःशक्त सशक्तिकरण सम्बन्धी कानूनी प्रावधान और उनके अधिकारों व स० आ० पु० (समुदाय आधारित पुनर्वास) जैसे मुद्दों पर स्वेच्छिक क्षेत्र को प्रोत्साहन जैसी बातें हैं। अब निःशक्तों के चिकित्सीय पुनर्वास की जगह उनके सामाजिक पुनर्वास को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में निःशक्तों की प्रारंभिक देखरेख और चिकित्सीय आवश्यकता पूर्ति जैसे बिंदुओं पर स० आ० पु० प्रभावी सिद्ध हुआ है। वि० स्वा० सं० के स० आ० पु० सम्बन्धी सांचे की शुरूआत मानवाधिकारों से होती है और बरास्ते सामाजिक - आर्थिक विकास यह एक ऐसे समाज की कल्पना करता है, जिसमें किसी निःशक्त व्यक्ति हेतु स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, समाजीकरण और सशक्तिकरण परस्पर जुड़े हुए हैं। विवाह और परिवार जैसे व्यक्तिगत सम्बन्धों का सुखद पहलू किसी निःशक्त व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने के साथ उन्हें गरिमा सहित जीने का अवसर देता है। लेकिन झारखण्ड या बिहार में

सामाजिक तथा सरकारी बेरुखी की वजह से निःशक्त अधिकारिता और स० आ० पु० पर अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है। प्रमाणपत्र प्राप्त निःशक्तों के 20-30 प्रतिशत राष्ट्रीय औसत की तुलना में यहाँ प्रमाणपत्र प्राप्त निःशक्त कम हैं। इन प्रमाणपत्रों के दुरुपयोग और राज्य के बाहर बार-बार इनके जाँच की खबरें भी आती हैं, जिससे असली लाभकों को दिक्कत होती है। इसका मतलब हमारी व्यवस्था में काफी सुधार की जरूरत है ताकि निःशक्त अधिकारिता सम्बन्धी अन्तरराष्ट्रीय समझौते के अनुपालन की दिशा में हम आगे बढ़ सकें।

निःशक्तता सम्बन्धी कार्यक्रमों की दिशा में न० भा० जा० केन्द्र का पहला कदम वर्ष 2000 में स० आ० पु० को बढ़ावा देने और चयनित छोटी संस्थाओं के क्षमतावर्धन हेतु निःशक्त प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना के रूप में था। निःशक्तों हेतु स० आ० पु० कार्य मुरहू (जिला-खूंटी) और हजारीबाग सदर प्रखंडों में जारी रहा। 2004-05 के दौरान

हमने राँची और हजारीबाग जिला के 10 प्रखंडों में निःशक्तता प्रमाणपत्र, निःशक्त बच्चों का विद्यालय नामांकन, स्वमद समूह गठन, आजीविका जुड़ाव, नेटवर्क संस्थाओं के साथ विकलांग विकास अभियान तथा कानूनी जागरूकता जैसी गतिविधियों के साथ इस काम को आगे बढ़ाया। मानसिक मंदता और दिमागी लकवा के शिकार बच्चों हेतु हजारीबाग सदर प्रखंड में न० भा० जा० केन्द्र ने एक विशेष विद्यालय **स्पंदन (2005-08)** का संचालन किया जो 165 बच्चों हेतु निःशुल्क आवश्यक सेवाओं के साथ परिवहन सुविधा प्रदान करता था। वर्ष 2009 तक संस्था द्वारा 1087 निःशक्त बच्चों का विद्यालय नामांकन, 5838 निःशक्तों का प्रमाणपत्र, 224 स्वमद समूह गठन, 2105 निःशक्तों की आयसृजक गतिविधि, दैनिक जीवन गतिविधि/ब्रेल/संकेत भाषा, फीजियोथेरेपी, करेक्टिव- मोतियाबिन्द ऑपरेशन, सहायक उपकरण, पेंशन, रेलवे पास आदि से जुड़ाव सुनिश्चित किया गया। जुलाई 09 - जून 13 के बीच हमने झारखण्ड और बिहार के 5 जिलों में निःशक्तों के अधिकार पर एक कार्यक्रम चलाया। 2118 गाँवों में क्रियान्वित इस कार्यक्रम द्वारा 29860 निःशक्तों को निःशक्तता प्रमाणपत्र और लगभग 17000 निःशक्तों को पेंशन अथवा किसी अन्य एक सरकारी सुविधा से जोड़ा जा सका है। वर्ष 2010 से न० भा० जा० केन्द्र ने दुमका जिला के 4 प्रखंडों में 6000 से ज्यादा निःशक्तों को सेवा और सुविधा का लाभ उपलब्ध करवाया है। इन कार्यों में कपार्ट, एक्शन एड, पीएचएफ (यूके), एसकेएन (नीदरलैंड), टीएचएफ, वोलकार्ट फाउंडेशन, एवीआइ - डीएफआईडी (यूके), सीबीएम - ऑसएड, साइटसेवर्स का सहयोग मिला है जबकि वाणी और सेन्स इंडिया ने राँची और हजारीबाग में 233 बधिरांध/बधिर बच्चों हेतु आवश्यक सेवाओं में सहायता दिया। हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, नवादा और गया जिलों में पहले चले निःशक्त अधिकारिता कार्यक्रम को एवीआइ - बीएलएफ (यूके) की सहायता से पुनः 500 नये गाँवों में मई 15 से अगले तीन वर्षों हेतु संचालित किया जा रहा है।

निःशक्तता प्रमाणपत्र और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए निःशक्तों के संघर्ष का अनुभव करना पीड़ादायक है। अब उनकी शिक्षा, आजीविका और सामाजिक गरिमा हेतु आवाज उठाने का समय आ गया है। क्योंकि महज पेंशन, ट्राइसाइकिल या बैसाखी उनके लिए पर्याप्त नहीं है। हमें राष्ट्र निर्माण में निःशक्तों के निर्धनता उन्मूलन और उनके बेहतर जीवन की जरूरत है जो शिक्षा, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी सभी विकास कार्यक्रमों या कल्याणकारी योजनाओं में उनकी सहभागिता से हासिल हो सकता है।

Training for Carers' Project Team

NBJK staffs have attended 3 days training during 17 - 19 April on Organization & Advocacy for Carers Empowerment by **Carers Worldwide, UK** at Bangalore. The main purpose of this training was to emphasize the strategic need of Carers Movement to address the issues Carers are facing in their regions. Other two participant organizations were SACRED from Andhra Pradesh and SAMUHA SAMARTHYA from Karnataka. Dr. Anil Patil (Founder & ED, Carers Worldwide) has shared his concern for the people, who care for their family members with mental illness, disability, old age or any other illness but become losers of employment, education, health and social contacts for themselves. He said that there are no organizations in India, Nepal, Bangladesh or South Africa working specifically among Carers to address their needs. From NBJK, Mr. Rajeev Singh (Team Leader) has informed about baseline survey, identification of 828 Carers (97% women), formation of their SHGs (58 nos.) and expectations from their side. The training has facilitated participants to reflect on their activities, to understand their role for working with the carers & federations, strategies / process of advocacy and towards the goal of Carers Movement. Mr. Ramakrishna was the resource person and there were 14 participants in the training who prepared plan of actions for their VOs. NBJK associates Carers Worldwide in the program upon Carers launched at Hazaribag for the period of Oct'14- Sep'17.



Cultural Show-case by LBHC Children

The orphan children of SKB (The Netherlands) supported Lord Buddha Home for Children, Bodhgaya have come forward with self composed lyrics and music under Show-case program organized on 13 May with support of **Manzil Mystics**, a local group on arts & culture. A team of the group has worked hard for two days with children for the program and facilitated them for an excellent exposure by using their own talent. All the exercise was to imbibe some valuable traits of self respect, confidence, leadership, farsightedness and discipline for personality development among them through the mystic tool of music. LBHC children have liked this new experiment and performed amazingly during the show. They put words, made musical accents and impressed the audience by their flair. The show was anchored by Mr. Tripurari P. Singh (Asst. Program Coordinator, NBJK - Bodhgaya) who welcomed the guests and dignitaries. Mr. Shamshul Akhtar (Karuna Shechen), Mr. Amrendra Kumar (Nalanda), Dr. Abhishek Mrinal (Lions Club) and Mr. Santosh Kr. Sinaha (Gyan Bharti) have graced the event and encouraged children to present their learning. The program was coupled with prize distribution and citation for 12th batch apprentices of Rozgar Training Centre running inside the campus of LBHC for rural youths. Mr. Nitesh Kr. Sharma, Jasveer, Anshu Raaj, Santosh Pandey, Anant Rohit, Minhaz Ansari and Ajay Kumar have contributed a lot to make the events successful.



SPSS Students Shine with Flying Colors

The students of NBJK run **Surekha Prakashbhai Public School** have scored 100% result in class X under Central Board of Secondary Education, New Delhi. There were 62 students appeared this year for the examination conducted by CBSE and all have made their school proud of them. Three students namely Ankit Kumar Singh, Aman Raaj and Nancy Jain have achieved 10 CGPA while Pinky Kumari & Rupesh Kumar (9.8), Ankit Raaj (9.2), Anuranjan (8.8), Jaikishor Kumar (8.6) with Rimy Chatterjee, Imteyaz Khan, Ankit Kumar, Himanshu Kumar, Chandrashekhar Kumar, Shilpy Kumari and Shruti Kumari are as high fliers in the list. Ms. Rina Padey (Principal, SPSS) has congratulated all the students with their parents and praised the teachers as well as NBJK leadership for support with team spirit. Mr. Girija Satish (ED, NBJK), Mr. Gandharv Gaurav (Program Director) and school teachers have extended their best wishes to the outgoing batch. Surekha Prakashbhai Public School has introduced **Plus 2** classes from current academic session and contributes to affordable plus quality education within reach of the rural community at Chouparan block in Hazaribag district, Jharkhand.



केयरर्स परियोजना टीम का प्रशिक्षण

न० भा० जा० केन्द्र कार्यकर्ताओं ने 17-19 अप्रैल को **केयरर्स वर्ल्डवाइड, यू.के.** की सहायता से बंगलोर में निःशक्त/मानसिक रोगी/वृद्ध परिजनों की देखभाल करने वाले लोगों के सशक्तिकरण हेतु संगठन और जनवकालत सम्बन्धी प्रशिक्षण में भाग लिया। मुख्य उद्देश्य केयरर्स आंदोलन की रणनीतिक आवश्यकताओं पर बल देना था ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। प्रशिक्षण में **सेक्रेड** (आंध्रप्रदेश) और **समूह सामर्थ्य** (कर्नाटक) जैसी दो अन्य संस्थाओं की प्रतिभगिता थी। इस अवसर पर डा० अनिल पाटिल (कार्यकारी निदेशक, केयरर्स वर्ल्डवाइड) ने अपने जरूरतमंद परिजनों की देखरेख करने वाले केयरर्स की आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क की समस्या पर चिन्ता जाहिर किया। इन्होंने कहा कि भारत, नेपाल, बंगलादेश या दक्षिण अफ्रिका में केयरर्स की जरूरतों पर काम करने वाली संस्थाओं का अभाव है। न० भा० जा० केन्द्र की ओर से श्री राजीव कु० सिंह (टीम लीडर) ने बेसलाइन सर्वे, 828 (97% महिलाएँ) केयरर्स की पहचान, उनके स्वमद समूहों (58) के गठन और उनकी अपेक्षाओं के विषय में बताया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र की गतिविधि, केयरर्स फेडरेशन के साथ सम्बन्ध और केयरर्स आंदोलन की लक्ष्य प्राप्ति में अपनी भूमिका स्पष्ट करने में सहूलियत हुई। श्री रामकृष्ण संसाधन व्यक्ति थे और सभी 14 प्रशिक्षुओं ने अपनी संस्थाओं की ओर से सम्बन्धित कार्ययोजना बनायी। न० भा० जा० केन्द्र ने केयरर्स वर्ल्डवाइड की सहायता से निःशक्त/मानसिक रोगी/वृद्ध परिजनों की देखरेख में समर्पित केयरर्स हेतु सशक्तिकरण कार्यक्रम (अक्टूबर 14- सितम्बर 17) शुरू किया है।

लॉर्ड बुद्धा होम के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति

एस० के० बी० (नीदरलैंड) के सहयोग से न० भा० जा० केन्द्र द्वारा बोधगया के निकट सिलौजा ग्राम में संचालित अनाथालय लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन के बच्चों ने 13 मई को एक आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति से सबों का मन मोह लिया। स्थानीय सांस्कृतिक समूह **मंजिल मिस्टिक्स** के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के लिए बच्चों ने खुद गीत लिख कर उन्हें धुनों से सजाया था। युवा रंगकर्मीयों ने इन बच्चों के संग दो दिनों तक मेहनत कर इन्हें इस शो हेतु तैयार किया ताकि स्वाभाविक प्रतिभा प्रदर्शित हो सके। इसका उद्देश्य संगीत के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व, अनुशासन, दूरदृष्टि, आत्मसम्मान जैसे गुणों को बढ़ावा देना था। लॉर्ड बुद्धा के बच्चों ने इस आयोजन को बेहद पसंद करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन्होंने शब्दों को चुन कर गीत बनाए और संगीत में अपनी गति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन होम के सहायक प्रबंधक श्री त्रिपुरारि प्र० सिंह ने किया था और सर्वश्री शमशुल अख्तर (**करुणा शोचन**), अमरेन्द्र कुमार (**नालंदा**), डा० अभिषेक मृगाल (**लायन्स क्लब**), संतोष कु० सिन्हा (**ज्ञान भारती**) समेत अनेक प्रबुद्ध व्यक्तियों ने इसमें शामिल होकर बच्चों का उस्ताहवर्धन किया। इस दौरान लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन परिसर में ग्रामीण युवाओं हेतु संचालित रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र प्रशिक्षुओं (12 वॉ बैच) के बीच प्रमाणपत्र भी वितरित हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन में नीतेश कु० शर्मा, जसवीर, अंशुराज, संतोष पांडेय, अनंत रोहित, मिनहाज अंसारी और अजय कुमार का सहयोग था।

बच्चों ने लहराया परचम

न० भा० जा० केन्द्र द्वारा ग्राम-बहेरा, चौपारण (हजारीबाग) में संचालित **सुरेखा प्रकाशभाई पब्लिक स्कूल** के बच्चों ने कक्षा 10 की सी० बी० एस० ई० बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम दिया है। इस परीक्षा में कुल 62 विद्यार्थी शामिल हुए थे और इन्होंने विद्यालय का नाम रौशन किया है। नैन्सी जैन, अंकित कुमार सिंह और अमन राज ने 10 सी० जी० पी० ए० प्राप्त किया जबकि पंकी कुमारी और रूपेश कुमार (9.8), अंकित राज (9.2) अनुरंजन (8.8) जयकिशोर कुमार (8.6) समेत रिमी चटर्जी, इन्तेयाज खान, अंकित कुमार, हिमांशु कुमार चंद्रशेखर कुमार, शिल्पी कुमारी, और श्रुति कुमारी भी इस सूची में शामिल हैं। सुश्री रीना पांडेय (प्राचार्या) ने सारे बच्चों और उनके अभिभावकों को बधाई और भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए शिक्षकों व न० भा० जा० केन्द्र प्रबंधन को सामूहिक सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। श्री गिरिजा सतीश (कार्यकारी निदेशक, न० भा० जा० केन्द्र), श्री गंधर्व गौरव (कार्यक्रम निदेशक) तथा विद्यालय के शिक्षक समुदाय ने भी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दी। सुरेखा प्रकाशभाई पब्लिक स्कूल ने इस शैक्षणिक सत्र से **प्लस 2** कक्षाओं को जोड़ कर चौपारण प्रखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में कम खर्च पर स्तरीय शिक्षा की दिशा में नया कदम बढ़ाया है।

Childline 1098 for Hazaribag District

Hazaribag based VOs have launched **Childline 1098** in Hazaribag district from June 1, 2015 with support of Childline India Foundation, Kolkata under guidelines of the Union Ministry of Women & Child Development. A toll free no. **1098** is operational for 24 hours in the district to provide outreach service for children in need of care and safety. NBJK has joined the league as a sub-centre of Childline Hazaribag for Chouparan block. Other VOs are Darpan as nodal, Srijan Foundation as collaborative while Samadhan and Jansewa Parishad as sub-center organizations for Barkagaon and Bishungarh blocks respectively. During an in house training held on 27 - 31 May at NBJK, Mrs. Harshmanjari Nanda and Ms Meghali from Childline India Foundation have elaborated about the program before participants of partner VOs. They have introduced **1098**, the number serviceable at 330 places across India with an objective to facilitate child rights. They have provided inputs like task for Childline, case process, documentation, Juvenile Justice Act / Board, duty of Child Welfare Committee / Officer etc. The Childline team members were asked for assessment of the problem and to develop a resource diary for mobilizing help to children in time. A city coordinator, 4 team leaders and 21 team members have been selected for Childline Hazaribag. Mrs. Rajnee Kiran (Darpan), Mr. Swapan Manna (Srijan Foundation), Mr. Ramlal Prasad (Jansewa Parishad), Mr. Sanjiv Bhattacharya (Samadhan) and Mr. Satish Girija (NBJK) have expressed their best wishes for the program.



NBJK Initiates for Biometric Attendance System

NBJK has introduced a **Biometric Attendance System** for its Coordination Office at Amrit Nagar, Hazaribag from May 15. All staffs have been instructed to make entry of their thumb impression for incoming & outgoing movements. They report for arrival during 9 - 9.30 AM to register daily attendance, for departure & arrival during 1.00 - 2.00 PM at lunch time and for exit in between 5 - 5.30 PM at end of the work day. This allows Microcredit field staffs for late entry at 2 - 2.30 PM and includes local travel with all outside movements of employees as per the rule. Mr. Mithilesh Kumar (Office Manager) has informed about various features of the biometric system before all staffs of C. O. and demonstrated about the functioning. He believes in smooth dealing of the affairs now and confirmed about all time personalized data on hand to finalize salary, pay-roll and other monthly calculations. The Biometric is a professional fingerprint access and time attendance control system that uses fingerprint, voice guidance, attendance record, fingerprint update and data communication. The system is already installed at NBJK head office and Loknayak Jaiprakash Eye Hospital at Bahera village.



Orientation Workshop for Rights to PWDs Program Team

3 days orientation workshop for staffs of **Rights to PWDs** program team was held on 2 - 4 June at NBJK Coordination office. The program has been extended with funding of AVI - BLF, UK after 2 years of its completion by support of AVI - DFID, UK during July 2009 to June 2013. Now this is being implemented for next three years in 500 new villages of Hazaribag, Koderma, Giridih, Gaya, Nawada districts of Jharkhand and Bihar. Mr. Ivan Nutbrown (Action Village India, UK) has enriched the workshop with his view upon program execution. He applauded the responsibility of team members to facilitate entitlements for PWDs. It's worth mentioning that during last phase of the program, NBJK could identify 32000 people with special needs, ensure disability certificates for 29000 of them and connect 17000 PWDs with pension or any other claim. Mr. Mohit Gupta (State Program Coordinator) has briefed about revival of the process initiated earlier and expected for more challenged people to come in the fold through a fresh baseline survey. The program aims for selection & training of 100 volunteers, issuance of 15000 new certificates, entitlements to 19000 PWDs, formation of 250 SHGs & 75 DPOs, skill training to 1000 PWDs, service to 4000 visually / hearing impaired children and many more within the time to come. Now every district has a team of 11 members including 8 field staffs, 2 block coordinators and a district coordinator to look after the program smoothly.



हजारीबाग जिला हेतु चाइल्डलाइन 1098

1 जून से हजारीबाग की सैचिक संस्थाओ ने चाइल्डलाइन 1098 के संचालन का दायित्व उठाया है। यह काम केन्द्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन, कोलकाता के सहयोग से संपन्न हुआ है। 1098 टॉलफ्री नं० पर यह सेवा पूरे जिला में 24 घंटे जारी रहेगी और इसका उपयोग जरूरतमंद बच्चों की देखरेख-सुरक्षा सम्बन्धी सेवा के तौर पर किया जाएगा। न० भा० जा० केन्द्र चाइल्डलाइन हजारीबाग के लिए चौपारण प्रखंड में उपकेन्द्र का काम करेगा। 27-31 मई को आयोजित प्रशिक्षण में चाइल्डलाइन इंडिया की श्रीमती हर्ष मंजरी नंदा और सुश्री मेघाली ने प्रतिभागी संस्थाओं के चयनित कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इन्होंने चाइल्डलाइन नं० 1098 का परिचय देते हुए बताया कि यह बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु भारत में 330 स्थानों पर संचालित है। इन्होंने चाइल्डलाइन के कार्यों, मामले की प्रक्रिया, दस्तावेजीकरण, किशोर न्याय अधिनियम / बोर्ड, बाल कल्याण समिति / पदाधिकारी के कार्यों पर प्रकाश डाला। चाइल्डलाइन टीम सदस्यों से समस्याओं के मूल्यांकन तथा बच्चों की अविश्वस्य मदद हेतु एक संसाधन डायरी बनाने को कहा गया है। चाइल्डलाइन हजारीबाग के लिए एक सिटी कोऑर्डिनेटर, 4 टीम लीडर और 21 टीम सदस्यों का चयन हुआ है। श्रीमती रजनी किरण (दर्पण), श्री स्वपन मन्ना (सुजन फाउंडेशन), श्री राम लाल प्रसाद (जनसेवा परिषद), श्री संजीव भट्टाचार्य (समाधान) और श्री सतीश गिरिजा (न० भा० जा० केन्द्र) ने चाइल्डलाइन हजारीबाग को अपनी शुभकामनाएँ दिया है।

न० भा० जा० केन्द्र में बायोमेट्रिक उपस्थिति

न० भा० जा० केन्द्र संयोजन कार्यालय में मई 15 से बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू किया गया है। इसमें सभी कार्यकर्ताओं को आवागमन गतिविधियों के पहले और बाद में इलेक्ट्रॉनिक मशीन के सामने अंगूठा निशान देना अनिवार्य है। प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 9-9.30 तक उनके कार्यालय आगमन, दोपहर 1-2 तक भोजनावकाश और सायं 5-5.30 तक प्रस्थान का समय नियत है। माइक्रोक्रेडिट कार्यकर्ताओं के आगमन हेतु दोपहर 2-2.30 तक का समय निर्धारित है और सभी कार्यकर्ताओं के स्थानीय प्रवास का रिकार्ड भी इसमें दर्ज होगा। श्री मिथिलेश कुमार (कार्यालय प्रबंधक) ने संयोजन कार्यालय के सभी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक प्रणाली की विशेषताओं में अवगत कराते हुए उसका प्रदर्शन किया। इन्होंने कहा कि इससे काम में सहूलियत होगी और वेतन, पे-रोल अथवा अन्य मासिक हिसाब-किताब से सम्बंधित व्यक्तिगत आंकड़े हमेशा उपलब्ध रहेंगे। बायोमेट्रिक प्रणाली में अंगूठा निशान की पहचान के साथ समय निर्धारण की क्षमता है और सम्बंधित आंकड़े सुरक्षित रखे जा सकते हैं या उनका इलेक्ट्रॉनिक स्थानांतरण संभव है। न० भा० जा० केन्द्र के बहेरा स्थित मुख्यालय और लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल में बायोमेट्रिक प्रणाली पहले से लागू है।

निःशक्त अधिकारिता परियोजना टीम का उन्मुखीकरण

एवीआई - बीएलएफ, (यूके) की मद्द से न० भा० जा० केन्द्र द्वारा पुनः प्रारंभ निःशक्त अधिकारिता परियोजना टीम हेतु 2-4 जून को उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। एवीआई - डीएफआईडी (यूके) से जुलाई 09-जून 13 की अवधि में सहायता प्राप्त इस परियोजना को पुनः हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, गया, नवादा जिलों के 500 नये गाँवों में क्रियान्वित किया जाएगा। श्री आइवन नटब्राउन (एवीआई) ने कार्यशाला में शामिल होकर कार्यक्रम के सहज संचालन हेतु सुझाव दिया। उन्होंने निःशक्तों के अधिकार और सामान्य जीवन वापसी में कार्यकर्ताओं की भूमिका को सराहनीय बताया। उल्लेखनीय है कि इसी कार्यक्रम के पहले दौर में 32000 निःशक्तों की पहचान, 29000 को निःशक्तता प्रमाणपत्र और लगभग 17000 को पेंशन अथवा अन्य किसी एक सरकारी सुविधा से जोड़ा गया था। श्री मोहित गुप्ता (परियोजन प्रबंधक) ने फिर से इस कार्यक्रम की जरूरत और पिछले कार्यों से जुड़कर आगे बढ़ते हुए नये बेसलाइन सर्वे द्वारा अधिकाधिक निःशक्तों से जुड़ने की उम्मीद जाहिर किया। अगले 3 वर्षों में 100 प्रशिक्षित स्वयंसेवक, 15000 प्रमाणपत्र, 19000 निःशक्तों के अधिकार, 250 स्वमद समूह, 75 निःशक्त संगठन, 1000 निःशक्तों को कौशल प्रशिक्षण, 4000 दृष्टि-श्रवण बाधित बच्चों की सेवा जैसे लक्ष्य सामने हैं। अभी प्रत्येक जिला में एक जिला समन्वयक, दो प्रखंड समन्वयक और आठ क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की टीम द्वारा कार्य शुरू है।

कार्यकर्ताओं की टीम द्वारा कार्य शुरू है।

Chandigarh Unit of Lok Samiti and Delhi Meeting

Many people who believe in the ideas of Gandhi, Vinoba, Lohiya and JP have come together at Gandhi Smarak Bhawan, Sector 16 in Chandigarh on 20 April under auspices of National Lok Samiti. Mr. K G Azad (Coordinator) has presided over the meeting and said about veteran Sarvodaya leader Loknayak Jai Prakash Narayan who led the nation to democracy and initiated for a new social order based upon equality irrespective of caste, creed or gender. A list of the local office bearers was declared unanimously as Mr. K. K. Sharda (President), Mr. Prem Viz (Vice-President), Dr. Devraj Tyagi (General Secretary), Dr. Sushil Gupta (Joint Secretary), Dr. M. P. Dogra & Mr. Sanjay Bharti (Secretaries) while Mr. Ishwar Agrawal, Mr. J. D. Cheema, Ms Pragya Sharda, Ms Daljeet Kaur, Ms Reena Parveen and Mr. Nazim Ahmad are executive members. On 6-7 June, Delhi meeting of National Lok Samiti has passed some important resolutions related to organizational set up, advocacy against liquor & superstition, awareness about tainted people's representatives, election & legal reform along with land distribution bill for landless people. Lok Samiti will prepare documents on reforms possible in election system and labour laws. A committee will suggest for people's participation in early reconciliation of local disputes and emergency relief services like child / women help lines. Mr. Aditya Patnaik (Coordinator, Sarvodaya Samaj) has invited Lok Samiti to join their national convention on 1, 2, 3 November this year.



लोक समिति की चंडीगढ़ इकाई और दिल्ली बैठक

20 अप्रैल को गाँधी स्मारक भवन, सेक्टर 16, चंडीगढ़ में गाँधी, विनोबा, लोहिया और जेपी के विचार से जुड़े लोगों ने राष्ट्रीय लोक समिति के तत्वावधान में एक बैठक कर लोक समिति की चंडीगढ़ इकाई का गठन किया है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे श्री कौशल गणेश आजाद (राष्ट्रीय समन्वयक, लोक समिति) ने प्रख्यात क्रान्तिकारी और सर्वोदयी नेता लोकनायक जयप्रकाश को भारतीय लोकतंत्र का मार्गदर्शक और ऐसा द्रष्टा बताया जो जाति, धर्म या लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त कर नयी सामाजिक व्यवस्था बनाना चाहते थे। सर्वसम्मति से चुने गये पदाधिकारियों में श्री के० के० शारदा (अध्यक्ष), श्री प्रेम विज (उपाध्यक्ष), डा० देवराज त्यागी (महासचिव), डा० सुशील गुप्ता (संयुक्त सचिव), डा० एम० जी डोगरा तथा श्री संजय भारती (सचिव) प्रमुख हैं, जबकि श्री ईश्वर अग्रवाल, श्री जे० डी० चीमा, श्रीमती प्रयाग शारदा, श्रीमती दलजीत कौर, श्रीमती रीना परवीन और श्री नजीम अहमद कार्यकारी सदस्य बने। 6-7 जून को राष्ट्रीय लोक समिति की दिल्ली बैठक में संगठनात्मक ढाँचा, शराब और अंधविश्वास के खिलाफ अभियान, दागी जनप्रतिनिधियों के प्रति जागरूकता, चुनाव प्रक्रिया और कानूनी सुधार के साथ भूमिहीन नागरिकों के बीच भूवितरण कानून की जरूरत सम्बन्धी प्रस्ताव पारित हुए हैं। चुनाव प्रणाली और श्रम कानूनों में सुधार पर लोक समिति की सिफारिशों का एक दस्तावेज बनेगा और विवादों के शीघ्र समाधान के साथ महिला/बच्चा हेल्पलाइनों की कार्यप्रणाली में जनसहभागिता पर एक सलाहकार समिति अनुशंसा करेगी। सर्वोदय समाज के राष्ट्रीय समन्वयक श्री आदित्य पटनायक ने इस वर्ष 1, 2 और 3 नवंबर को आयोजित राष्ट्रीय सर्वोदय सम्मेलन में लोक समिति को आमंत्रित किया है।



From Cradle to Classroom

Sintu Kumar (16) was born with polio caused legs, weak mind and lost her mother soon after his birth. He is only alive offspring of his parents. His father Mr. Birju Ram (village - Sarauni, Hazaribag Sadar Block) is a marginal farmer of SC community and pulls rikshaw. Sintu, the child was taken up by her widow maternal grandmother Mrs. Gensi Devi (village - Birbir) who still cares for him. At that time SPANDAN (a special school by NBJK for MR/CP children) was running and Sintu was enrolled there to grow with new learning including ADL through play way method amid a better milieu. Soon he became a beneficiary of the program for PWDs with support of Paul Hamlyn Foundation, UK and our advocacy ensured him a tricycle from DDRC, disability certificate and state pension. Sintu was facilitated for schooling and passed class VIII from Middle School at his maternal place. He was encouraged for admission at Amrit Nagar High School, about 5 km far from his place and he goes there by his tricycle on his own. In class IX, Sintu found free coaching facility for Science, Maths and English under RCC program with support of Axis Bank Foundation that provided him a new tricycle too. Sometimes Sintu sells eggs & gram packets to meet his personal expenditures as the pension is quite irregular. NBJK has convinced management of the high school for 50% discount in his tuition fee. Sintu will appear for class X board examination.

CASE STUDY केस स्टडी

कदम सहयोग के

सिन्दू कुमार (16 वर्ष) का जन्म पोलियोग्रस्त पैरों, कमजोर दिमाग और माँ की मृत्यु के साथ हुआ था। यह अपने माता-पिता की एक मात्र जीवित संतान है। इसके पिता श्री बिरजू राम (ग्राम सरोनी, हजारीबाग सदर प्रखंड) अनुसूचित जाति के एक सीमान्त किसान हैं और रिक्शा चलाते हैं। सिन्दू का पालन इसकी नानी श्रीमती गेनसी देवी (ग्राम-बिरबिर) ने अपने पास रख कर किया और अभी भी यह नानी घर में ही रहता है। सिंदू का बचपन न० भा० जा० केन्द्र द्वारा संचालित विशेष विद्यालय **स्पन्दन** में गुजरा है, जहाँ इसे बेहतर वातावरण में दैनिक जीवन की गतिविधि समेत ककहरा और अंक सीखने का मौका मिला। शीघ्र ही यह पॉल हैमलिन फाउंडेशन की सहायता से संचालित निःशुल्क सहयोग परियोजना का लाभुक बना और इसे हमारी जनवकालत गतिविधि के माध्यम से निःशुल्कता प्रमाणपत्र मिलने के बाद राजकीय पेंशन से जोड़ा गया। जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र द्वारा इसे एक ट्राइसाइकिल भी मिली। सिंदू की नानी से हमने इसकी पढ़ाई की अनुमति ली और हमारे कार्यकर्ता बीच-बीच में इसके घर जाकर सुनिश्चित करते थे कि यह स्कूल जाए। अपने नानी गाँव के सरकारी मध्य विद्यालय से सिन्दू ने कक्षा 8 तक पढ़ाई करने के बाद लगभग 5 कि.मी. दूर अमृतनगर हाई स्कूल में नामांकन करवाया। ट्राइसाइकिल से यह स्कूल जाता था। 9वीं कक्षा में इसे एक्सिस बैंक फाउंडेशन की सहायता से संचालित रिमेडियल कोचिंग केन्द्र द्वारा अंग्रेजी, विज्ञान और गणित में निःशुल्क कोचिंग सुविधा मिली। इस कार्यक्रम के तहत इसे एक नयी ट्राइसाइकिल मिली। पेंशन की रकम समय पर नहीं मिलने से सिन्दू को आर्थिक तंगी रहती है, तो यह अंडा-चना भी बेच लेता है। न० भा० जा० केन्द्र ने सिन्दू के स्कूल प्रबंधन से इसकी फीस में 50 प्रतिशत छूट का अनुरोध किया था, जिसे मान लिया गया। सिंदू अब बोर्ड परीक्षा देगा।

परिकल्पना : श्री गिरिजा सतीश

प्रस्तुति : विनय भट्ट

नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय

ग्राम - अमृतनगर, पो. कोर्दा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वार प्रकाशित

दूरभाष: 06546 - 263332, +91 9835751159

ई मेल: nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com